प्यार की
एक सच्ची कहानी
डान क्रे

प्यार की एक सच्ची कहानी

मै आप को एक सच्ची कहानी के बारे में कहना चाहता हूँ कि एक आदमी ने एक दिन वेश्या के साथ गहरा प्यार में डूब गया था। शादी हुई, बच्चे भी पैदा हुए, यह औरत फिर अपने प्राचीन मार्गो में चलने लगी । उकी जीवन शैली के कारण वह अनाथ बन गयी और सडकों पर रहने लगी । उसके लिए बहुत खोजने के बाद उसका पति उसे टूट लिया और उससे यों कहा - तुम अब वेश्या नही हो, और अब किसी दूसरे आदमी के साथ तुम नहीं रह सकती । मैं सिरफ तेरा हूँ और तुम सिर्फ मेरा हो । उसने यों कहा क्यों कि वह अभी उससे बहुत प्यार करता है ।

क्या तुम्हो मालुम है यह कहानी बइबिल में लिखा गया है? उसका नाम 'होशया' और उसकी पत्नी का नाम गोमेर है? प्रभू ने इस कहानी को इसलिए लिख्खा दिया कि उसके दिल में हमारे लिए जितना महान प्यार हैं । यहपि हम उन्हे मानते नहीं और उसके साथ बन्धुत्व नहीं निभाते हैं। 'प्यार' की महान उद्येश्यों में एक है । 'परंतु परमेशवर हम पर अपने प्यार की भलाई इस रीती से प्रगट करता है कि जब हम पापी ही थे, तभी मसीह हमारे लिए मरा ।' (रोमी ५.८)

एक दिन ईशू ने एक कहानी बताया कि जब धार्मिक नेताओं ने हीकायत की कि वे पापी लोगों के साथ भोजन करते हैं । उन्होने कहा - तुम मे से कौन है, जिसकी सौ भेडें हों और उन मे से एक खोजाए, तो निन्नानबे को जंगल में

छोडकर, उस खोई हुई को जब तक मिल न जाए खोजता न रहे? तब आनंद से उसे कंधे पर रखकर घर ले जाओगे न? तब अपने सखियों और पडोसियों को इकट्ठे करके कहता है, मेरे साथ आनंद करो क्यों कि मेरी खोई हुई थेड मिल गई है ।मै तुमसे कहता हूँ, कि इसी रीती से एक मन फिराने वाले पापी के विषय में भी स्वर्ग में इतना ही आनंद होगा । जितना कि निन्नानव ऐसे धामि र्यों के विषय नहीं होता, जिन्हे मन फिराने की आवश्यकता नहीं । (लूका १५.३-७)

ईशू जिस के लिए देखता है वह खोया हुआ छोटा भेड तू ही है न ? पैरंबर यशायाह ने यों कहा - 'हम तो सब के सब भेडों की नाईं भटक गये थे । हम में से हर एक ने अपना अपना मार्ग लिया । और यहोवा ने हम साथों के अधर्म का बोझ उसी पर लाद दिया ।' (यशायाह ५३.६)

सिविल युध्द होते समय एक युव सैनिक अपनी बहन की चिट्ठी का जवाब दे रहा था, जिस में वह अपने भाई को ईसाई बनाने की विनती कर रही है । चापलेन, जो वही पर खडा हुआ था, और देख रहा था कि वह युव सैनिक को एक निर्णय लेना था । अतः वह सैनिक से निवेदन करने लग कि जरा तुम अपना जीवन ईशु मसीह को दे दो । अंत में सैनिक एक डेरा के नीचे घटने टेक कर अपना जीवन प्रभु के हाथों में और सेवा में समर्पण कर दिया । कुछ ही दिलों में वह सैनिक एक युध्द में मारा गया । उसकी कब के पास चापलेन ने यों कहा - हम ने जहाँ उसका भूस्तापन करते हुए उसका मुहँ देखा, और प्रार्तना करने लगे, मुझे वह सुंदर रात की याद आयी । मुझे बहुत आनंद मिला, मैं इन्तजार कर रहा था, मेरे सात वह घुटने टेक कर अपना जीवन उसके लिए इन्तजार करने वाले प्रभु ईशू को सौंप दिया ।

तुम क्या करना चाहते हो? तुम्हे प्यार कर ने वाला प्रभु तेरी बात सुनाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं ।

बईबिल एक कर लेने वाला प्रभु के सामने स्वर्ग की ओर आँख उठाना भी न चाहा, वरन अपनी छाती पीट पीट कर कहा, हे परमेश्वर प्रभु पापी पर दया कर । यही मनुष्य धर्मों टहराता जाकर अपने घर गया । (लूका १८ : १३)

तुम्हारा प्रत्युत्तर क्या है ? क्या तुम उस अमीर आदमी के जैसे हो जो अपने मन में यों कहने लगा ? कई सालों तक तेरे लिए काफी संपत्ती है । आनंद से रह सकोंगे । शराब, स्त्रीयाँ, तेरे लिए गाने बजाने । परंतु प्रभु ने उससे कहा - हे मूर्ख, इसी रात तेरा प्राण तुझसे ले लिया जायेगा : तब जो कुछ तूने इकच्चा किया है, वह किसका होगा ? (लूका १२:१९-२०)

आज तुम्हारा जवाब क्या है ? जिस सैनिक से चापलेन बोला कि वह इन्तजार कर सकता है, मैं खुश हूँ कि उसने वैसा नहीं किया । हमने प्रेम इसी से जाना कि ईशू मसीह ने हमारे लिए अपने प्राण दे दिए । (यूहन्ना ३:१६) यह तेरे लिए महान प्यार मरा काम है । 'जब हम पापी ही थे, तभी मसीह हमारे लिए मरा ।' (रोमा ५:८) इस काम के द्वारा वह तुम्हे अपने राज्य में लाना चाहता है और अपना प्यार सदा के लिए तुझे देता है । (याकूब२:५) बाइबिल में एक चोर ने कहा 'हे ईशू जब तू अपने राज्य में आये तो मेरी सुधी लेना ।' ईशू ने कहा कि 'आज ही तू मेरे साथ स्वर्ग लोक में होगा ।' (लूका २३:४२-४३) प्रभु के अनुग्रह से ही तुम्हारा उध्दार हुआ है । (इफिसि २:५)

क्या तुम आज ही उनके नाम पर बुलाओंगे? तुझे उनको जवाब देना है । तुम्हे चुनने का स्वतंत्रता है ।

प्रार्थना

हे प्रिय स्वर्ग पिता, आप मुझे तेरे प्रिय पुत्र ईशू के नाम से मुझे पुकारा है । मैं स्वीकार करता हूँ । मैं विश्वास करता हूँ कि अपना इकलौता पुत्र ईशू मसीह ने क्रूस पर बहुमूल्य खून बहाया, मेरे पापों के लिए मर गया, तीसरा दिन फिर जी उठा । में ने आपको विरुध्द में जो पाप किया उसके लिए मैं बहुत पछताता हूँ । अतः मुझ पापी पर दयाकर । पवित्र बनाओ मेरे पापों को पवित्र करके मुझे शांति दे दो । आमेन ।

यह बात सच और हर प्रकार से मानने के योग्य है कि मसीह ईशू पापियों का उद्धार करने के लिए इस जगत में आया । (तिमूति १:१५)

JESUS MEDIA NETWORK
Post Box 13
Tirupati 51757, AP, INDIA

www.wondersoftheword.org
jesusmedianetwork@hotmail.com

DON & DANA KROW
10065 Sun Ridge Circle
Rogers, AR 72756, USA
www.krowtracts.com
www.delessons.org
donkrowministries@gmail.com